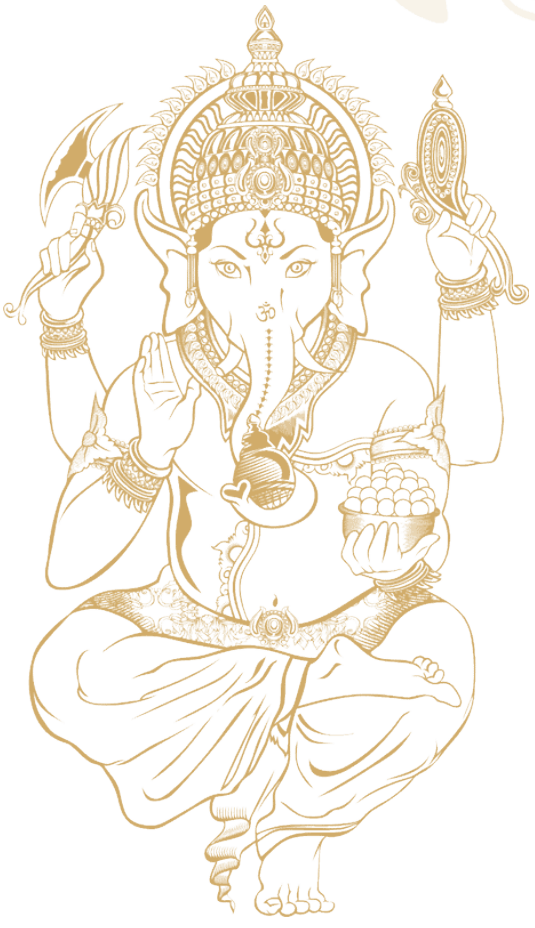

Abhishek Tiwari

Bandisha Awasthi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121227908

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/09/1995	जन्म तिथि	29-30/01/1999
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	07:05:00 घंटे
घटी 55:21:14	जन्म समय(घटी)	59:44:16 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Kanpur
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:30	सूर्योदय	06:54:57
18:46:43	सूर्यास्त	17:49:14
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:30

विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि

राहु

06/12/2024
06/12/2042

राहु	19/08/2027
गुरु	11/01/2030
शनि	17/11/2032
बुध	07/06/2035
केतु	24/06/2036
शुक्र	25/06/2039
सूर्य	19/05/2040
चन्द्र	18/11/2041
मंगल	06/12/2042

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	21:45:20
सूर्य	सिंह	18:08:13
चंद्र	धनु	22:29:51
मंगल	तुला	04:39:45
बुध	कन्या	14:40:51
गुरु	वृश्चि	13:22:14
शुक्र	सिंह	22:13:40
शनि	कुंभ व	28:16:45
राहु व	तुला व	03:41:51
केतु व	मेष व	03:41:51
हर्ष	मक व	03:07:37
नेप	धनु व	29:12:58
प्लूटो	वृश्चि	04:13:35

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	17:41:37
सूर्य	मक	15:51:30
चंद्र	मिथु	25:20:28
मंगल	तुला	07:35:05
बुध	मक	12:15:29
गुरु	मीन	03:12:53
शुक्र	कुंभ	07:53:15
शनि	मेष	03:49:29
राहु व	कर्क	28:17:03
केतु व	मक	28:17:03
हर्ष	मक	18:44:38
नेप	मक	08:18:22
प्लूटो	वृश्चि	16:08:08

विंशोत्तरी
गुरु 9वर्ष 7मा 2दि

शनि

02/09/2008
02/09/2027

शनि	06/09/2011
बुध	16/05/2014
केतु	24/06/2015
शुक्र	24/08/2018
सूर्य	06/08/2019
चन्द्र	06/03/2021
मंगल	15/04/2022
राहु	19/02/2025
गुरु	02/09/2027

लग्न-चलित

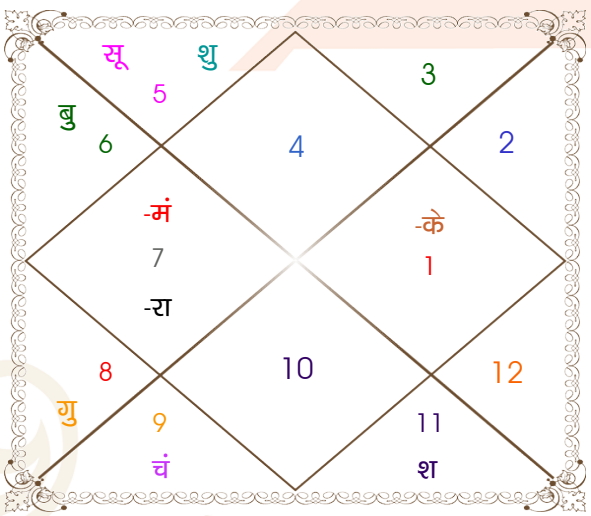

लग्न-चलित

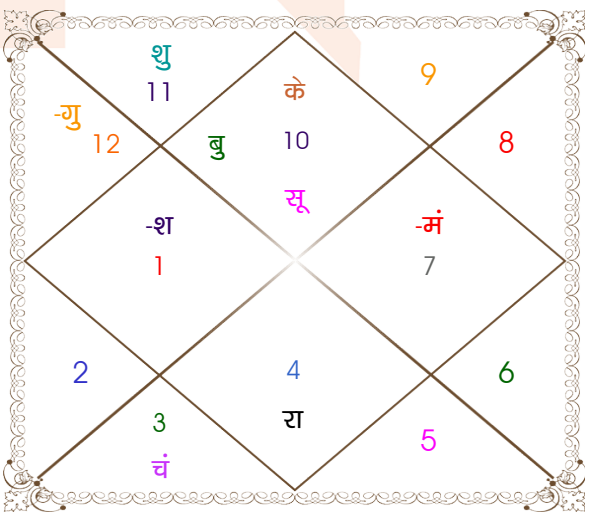

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

।ड्ढीपीमा ज्पूंतप का वर्ग मूषक है तथा ठंदकर्पी ़्रजीप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ड्ढीपीमा ज्पूंतप और ठंदकर्पी ़्रजीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ड्ढीपीमा ज्पूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।ड्ढीपीमा ज्पूंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठंदकर्पी ़्रजीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ठंदकर्पी ़्रजीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।ड्डीपीमा ज्पूंतप तथा ठंदकपीं ेंूजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।